[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1342 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 205201

Name of the Course : **B.A. (Hons.) बी. ए. (ऑनर्स)**

Name of the Paper : हिन्दी-प्रश्नपत्र IV : (हिन्दी कहानी)
(प्रवेशवर्ष 2011 और तत्पश्चात्)

Semester : II

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8+8)

(क) सामने के फ्लैटवाली मिसेज़ गिडवानी भी दो बासी रोटियों पर तीन दिन पुराना सालन डालकर घर के बाहर चबूतरे पर रख आयी है, क्योंकि उसमें से बास आने लगी थी। इसे कोई गाय खा जाये तो भी ठीक, किसी कुत्ते के मुँह में पड़ जाये तो भी ठीक, और जो गौरी के बच्चे उठाकर खा लें, तो भी ठीक। और गौरी के बच्चे सचमुच लपककर पहुँच गए हैं, जिन्हें देखकर मिसेज़ गिडवानी फिर से अपने बेटे को सीख देने लगी है - "देखा ? कैसी भूख से खाना खाते हैं। तूझे तो भूख ही नहीं लगती। बात-बात पर नखरे करता है, यह नहीं खाऊँगा, वह नहीं खाऊँगा। देख तो, लगता है जैसे पिकनिक कर रहे हैं।"

(ख) चिता में आग लगा दी गयी है और चार-पाँच आदमी पेड़ के नीचे पड़ी बेंच पर बैठे हुए हैं। मेरी तरह वे भी यूँ ही चले आये हैं। उन्होंने ज़रूर छुट्टी ले रखी होगी, नहीं तो वे भी तैयार होकर आते। मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि घर जाकर तैयार होकर दफ़्तर जाऊँ या अब एक मौत का बहाना बनाकर आज की छुट्टी ले लूँ, आखिर मौत तो हुई ही है और मैं शव-यात्रा में शामिल भी हुआ हूँ।

(ग) करुणा के मन की सारी दुर्बलता, सारा शोक, सारी वेदना मानो लुप्त हो गयी और उनकी जगह उस आत्म-बल का उदय हुआ, जो मृत्यु पर हँसता है और विपत्ति के साँपों से खेलता है। रत्न जड़ित मख़मली म्यान में जैसे तलवार छिपी रहती है, जल के कोमल प्रवाह में जैसे असीम शक्ति छिपी रहती है, वैसे ही रमणी का कोमल हृदय साहस और धैर्य को अपनी गोद में छिपाये रहता है। क्रोध जैसे जलवार को बाहर खींच लेता है, विज्ञान जैसे जल-शक्ति का उद्घाटन कर लेता है, वैसे ही प्रेम रमणी के साहस और धैर्य को प्रदीप्त कर देता है।

2. दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं **दो** पाठांशों का रचना-कौशल लगभग 150 शब्दों में स्पष्ट कीजिए : (7+7)

P.T.O.

(क) **निर्देश : परिवेश की दृष्टि से :**

हर साल उनकी बढ़ती उम्र के बावज़ूद वह अम्माँजी को रमज़ान के चाँद के इन्तज़ार में बच्चों-सा उतावला और बेचैन देखता है - पूरे घर की एक ख़ास तैयारी के साथ। चाँद की ख़बर के साथ ही घर का माहौल एकदम बदल जाता है। बच्चे टोपियाँ लगाकर सलाम करते तराबियाँ पढ़ने मस्ज़िद की तरफ़ दौड़ जाते हैं। सहरी की तैयारी होने लगती है। अम्माँजी अपने हाथ से घड़ी का अलार्म, जिसे वे 'जाग' कहती हैं, सेट करके, घड़ी खुद अपने सिरहाने रखकर सोती हैं। 'जाग' बजते ही वे खुद उठकर सारे घरवालों को जगा देती हैं। चूल्हे के इर्द-गिर्द बैठकर सब लोग सहरी भी करते जाते हैं और एक-दूसरे से बातचीत भी।

(ख) **निर्देश : दलित-चेतना की दृष्टि से :**

राकेश अपने भीतर उठने वाली बेचैनी को जितना दबाने की कोशिश कर रहा था, वह उतनी ही तीव्रता से बढ़ रही थी। वह फ़िर से कुर्सी पर बैठ गया था। सोनकर का चेहरा उसे उद्वेलित कर रहा था। सोनकर की ज़द्दोज़हद राकेश की अपनी पीड़ा बन गई थी। उसने एक गहरी साँस ली और झटके से उठकर खड़ा हो गया था। उसने तय कर लिया था, वह सोनकर की अन्तिम यात्रा में शामिल ही नहीं होगा, उसे कन्धा भी देगा।

(ग) **निर्देश : भाषा की दृष्टि से :**

"देखा तेरा सुखमय जीवन ! आस्तीन के साँप ! पापात्मा !! मैंने साहित्य-सेवी जानकर और ऐसे उच्च विचारों का लेखक समझकर तुझे अपने घर में घुसने दिया और तेरा विश्वास और सत्कार किया था। प्रछन्नपापिन ! वकदाम्भिक ! विड़ालव्रतिक ! मैंने तेरी सारी बातें सुन ली हैं।" चाचाजी आकर लाल-लाल आँखें दिखाते हुए क्रोध से काँपते हुए कहने लगे, "शैतान, तुझे यहाँ आकर माया-जाल फैलाने का स्थान मिला। ओफ ! मैं तेरी पुस्तक से छला गया।

3. मोहन राकेश की कहानी 'मलबे का मालिक' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

प्रसाद की कहानी 'इन्द्रजाल' के शिल्प का विश्लेषण कीजिए।

4. 'जान्हवी' के आधार पर जैनेन्द्र के प्रेम सम्बन्धी दृष्टिकोण पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

कहानी-कला की दृष्टि से 'लाल पान की बेगम' का विवेचन कीजिए।

5. 'सिक्का बदल गया' भारत-विभाजन की त्रासदी की कहानी है' - विश्लेषण कीजिए। (15)

अथवा

वर्तमान समय में एक स्त्री के भीतर संस्कार, रूढ़ियों के रूप में उपस्थित रहते हैं। - इस कथन के आलोक में 'एक कमज़ोर लड़की की कहानी की माँ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(800)